नामांक Roll No.

No. of Sections — 3

No. of Printed Pages — 7

SS—32—SH.HD. (Hindi)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2015

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2015

हिन्दी शीघ्रलिपि

(SHORTHAND HINDI)

समय — $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक — 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।
2. तीनों खण्ड एक ही बैठक में लिखाये जायें ।
3. प्रथम एवं द्वितीय खण्डों तथा द्वितीय एवं तृतीय खण्डों के बीच में **5–5** मिनट का मध्यान्तर दिया जाये । तीनों खण्डों के संकेत लिपि श्रुतलेखों के हिन्दी अक्षरीकरण के लिए $2\frac{3}{4}$ घंटे का समय दिया जाए ।
4. केवल निम्न विराम-चिह्न ही लगाएं :

   पूर्ण विराम, अर्द्ध-विराम और प्रश्न-चिह्न एवं कोष्ठक ।
5. संकेत लिपि पेन्सिल से लिखा जाए तथा उसका अनुवाद हिन्दी में टंकण यंत्र / कम्प्यूटर से ही टंकित किया जाय । हाथ से लिखा मान्य नहीं होगा ।
6. संकेत लिपि में लिखा हुआ श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कर दिया जाए ।
7. संकेत लिपि के **20%** अंक रखे गये हैं ।
8. खण्ड प्रथम 4 मिनट, खण्ड द्वितीय 5 मिनट तथा खण्ड तृतीय 7 मिनट लिखवाने के रखे गए हैं । प्रत्येक खण्ड 80 शब्द प्रति मिनट की गति से बोला जाय ।

प्रथम खण्ड 10

(इसे **80** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

सुदर्शन प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड

तार का पता : सुदर्शन

टेलीफोन सं : 2698059

पत्र संख्या : 15/ सा० / 514

27 प्रथम चरण,

लाल सागर, / नया औद्योगिक $\frac{1}{4}$

क्षेत्र,

चर्च रोड, रायपुर ।

दिनांक : 08 / दिस० 2014 $\frac{1}{2}$

सर्व श्री रामदास एण्ड रामविलास कम्पनी

15/30 अग्रवाल कॉलोनी, न्यू पॉवर हाऊस के पास

महापुरा रोड / , चंडीगढ़ (पंजाब) $\frac{3}{4}$

अति - गोपनीय

विषय : आर्थिक स्थिति की जानकारी के क्रम में

प्रिय महोदय, // 1

आपका पत्रांक 576 दिनांक 01 दिस० 2014 का प्राप्त हुआ, एतदर्थ धन्यवाद । आपने हमारे शहर की एक प्रतिष्ठित / फर्म सर्व श्री रामनारायण श्याम नारायण एण्ड कम्पनी, मैट्रो बाजार, $1\frac{1}{4}$ रायपुर की, आर्थिक स्थिति की जानकारी के बारे / में उल्लेख किया है । उपरोक्त संदर्भ में हमारा $1\frac{1}{2}$ आपसे आग्रह है कि उक्त फर्म हमारे शहर में गत 35/ वर्षों से व्यवसाय करती आ रही है । इस फर्म $1\frac{3}{4}$ से हमारे पिछले 30 वर्षों से व्यावसायिक संबंध हैं । // यह फर्म कपड़े के व्यवसाय में अग्रणी 2 स्थान रखती है । इस शहर में ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश में / उपरोक्त फर्म ख़्याति प्राप्त है । $2\frac{1}{4}$

हमारा इस फर्म से लाखों का कारोबार होता है । आज तक यह फर्म / निर्धारित समय या $2\frac{1}{2}$
उससे पूर्व ही भुगतान करती आ रही है । उक्त फर्म द्वारा प्रतिवर्ष हमारे द्वारा निर्धारित लक्ष्य / को $2\frac{3}{4}$
पूर्ण कर अथवा उससे भी अधिक कार्य करने की दशा में, हमारी नीतियों के अनुसार अतिरिक्त
लाभांश व // अन्य सुविधाएँ भी प्राप्त करती है । 3

इनका चैक कभी भी अप्रतिष्ठित नहीं हुआ है । इस फर्म द्वारा कई / बार रोकड़ छूट भी $3\frac{1}{4}$
हमसे प्राप्त की गई है । अत: हमारी राय में इस फर्म को 10 लाख रुपये / तक का उधार माल दे $3\frac{1}{2}$
सकते हैं । किन्तु इस संदर्भ में हमारी कोई व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी नहीं रहेगी । यदि / आवश्यक समझें $3\frac{3}{4}$
तो आप बैंक अथवा शहर की प्रतिष्ठित फर्मों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

अशोक कुमार

प्रबन्धक // 4

द्वितीय खण्ड 10

(इसे प्रति मिनट **80** शब्दों की गति से लिखाया जाए ।)

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक)

शिक्षा विभाग, मुम्बई

क्रमांक : जि शि अ / मा / मु / सांख्यिकी / / 2014 $\frac{1}{4}$

प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक

रा उ मा वि / रा बा उ मा वि / रा मा वि / रा बा मा वि

समस्त सहायता प्राप्त / गैर सहायता प्राप्त

दिनांक : / 15 दिसम्बर 2014 $\frac{1}{2}$

विषय : शाला समंक वर्ष 2014 - 15 (सन्दर्भ तिथि

30 नवम्बर 2014) प्रेषित करने बावत् / $\frac{3}{4}$

संदर्भ : निदेशक माध्यमिक शिक्षा महाराष्ट्र

मुम्बई का पत्रांक 30 दिनांक 30. 11. 2014

विषयान्तर्गत लेख है कि // शाला समंक प्रपत्र संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है । प्रपत्र की 1

समस्त सूचनाओं की संदर्भ तिथि 30 नवम्बर / 2014 है । $1\frac{1}{4}$

सारणी संख्या 7 में समस्त अध्यापक के प्रशिक्षित / अप्रशिक्षित व पुरुष / महिला अनुसार व

सारणी / संख्या 8 (ब) में पदवार अध्यापकों को अंकित करना है । सारणी संख्या 8 (ब) में $1\frac{1}{2}$

सारणी 8/ (अ) में शामिल शारीरिक शिक्षक / उद्योग शिक्षक / संगीत शिक्षक / चित्रकला शिक्षकों $1\frac{3}{4}$

को अंकित करना है ।// सारणी संख्या 9 में कुल नामांकित विद्यार्थियों में से अनुसूचित जाति / 2

अनु० जन जाति / ओबीसी / के विद्यार्थियों / को दर्शाना है । सारणी संख्या 10 में कक्षा 11 एवम् $2\frac{1}{4}$

12 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को संवर्गानुसार प्रदर्शित करना है / । कुल नामांकित विद्यार्थियों को $2\frac{1}{2}$

आयुवार नामांकन प्रपत्र में अंकित करना है । अत: इनमें भिन्नता न हो । एक / कक्षा के विभिन्न $2\frac{3}{4}$

सेक्शनों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संख्या को जोड़कर दर्शाया जाए ।

उक्त शाला समंक को संधारित कर // 3 दिवस में संबंधित नोडल संलग्न : शाला समंक प्रपत्र 3

ज़िला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) / $3\frac{1}{4}$

शिक्षा विभाग मुम्बई

क्रमांक : जि शि अ / मा / मु / सांख्यिकी / 2014 दिनांक :

15 दिस०, / 2014 $3\frac{1}{2}$

प्रतिलिपि : नोडल अधिकारी एवं प्रधानाचार्य रा उ मा वि महात्मा गांधी (मुम्बई शहर विधानसभा

क्षेत्र) चर्च गेट (नरीमन विधान / सभा क्षेत्र) चैतपुरा, (नवी मुम्बई, विधानसभा क्षेत्र) महापे, $3\frac{3}{4}$

बालेसर, क्लीमेंट टाऊन, नेशनल // पार्क जोन, ओरछा, भोपालगंज, जुहू विधान सभा क्षेत्र, कोलारगंज 4

को भेजकर निर्देशित किया जाता है कि / वे संबंधित कार्यालय पंचायत समिति स्थित समस्त राजकीय $4\frac{1}{4}$

उच्च मा० विद्यालय, निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों को वित्तीय सूचना निर्धारित / प्रपत्र का वितरित $4\frac{1}{2}$

व संग्रहित कर इस कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे ।

जिला शिक्षा अधिकारी (मा०)

शिक्षा विभाग मुम्बई / - 4 $4\frac{3}{4}$

महाराष्ट्र

पुनश्चः प्राथमिकता देते हुए सूचना

अतिशीघ्र उपरोक्त कार्यालय में

संबंधित अधिकारी को प्रेषित की जाए // 5

तृतीय खण्ड 20

(इसे **80** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

आओ ! करें मंगल कामना !

दीपावली पर्व दीपक का, प्रकाश का, धरती को सितारों से भरकर आकाश / बना देने का, $\frac{1}{4}$

पुरुषार्थ से प्राप्त लक्ष्मी, गौमाता को समर्पित गौवर्धन, काम पर विजय का उत्सव, / जीवन को मृत्यु $\frac{1}{2}$

से निर्भय करने वाली यम द्वितीया, भाई-बहिन के प्रेम का प्रतीक भाई-दूज / एवं ज्ञान के प्रतीक $\frac{3}{4}$

कलम दवात की पूजा कर नई चेतना का उत्सारण करने का पर्व है । वास्तव में // दीपावली पर्व नहीं, 1

प्रकाशपुंज है क्योंकि जब प्रकाश प्रकाशित होता है तो वह छोटे-बड़े, गरीब-/अमीर किसी में कोई $1\frac{1}{4}$

भी भेद नहीं करता । प्रकाश पर सबका अधिकार है । केवल अपने घर के भीतर / ज्योति जलाने के $1\frac{1}{2}$
लिये यह पर्व नहीं है । यह त्यौहार केवल घर की सफाई का नहीं बल्कि मन में / व्याप्त निराशा, भय, $1\frac{3}{4}$
आक्रोश को मिटाने का भी है । हमें तो प्रत्येक कार्यदिवस को दीपों का पर्व // मनाना होगा । जीवन 2
में व्याप्त अंधकार को हम तभी दूर कर पायेंगे, जब अपने दीपक स्वयं बनेंगे ।/ अपने को इतना $2\frac{1}{4}$
आत्मविश्वासी, सेवाभावी, मृदुभाषी बना लें कि अन्य भी हमारे आचरण से प्रेरणा ले सकें ।/ ऐस $2\frac{1}{2}$
ही एक दीपक से दूसरा दीपक जलता जाएगा ।

एक तथ्य यह भी है कि व्यक्ति इन त्यौहारों को / केवल अपने व्यक्तिगत परिवार के साथ $2\frac{3}{4}$
मनाने में विश्वास करता है । वस्तुतः त्यौहार तो ऐसे मौके हैं, जिनमें // हम सब आपस में मन में 3
आई कटुताओं को दूर करने का प्रयास कर सकते हैं ।

यह भी कटु / सत्य है कि इन त्यौहारों का सीधा सम्बन्ध अब व्यापार से होने लगा है और $3\frac{1}{4}$
व्यापारी वर्ग इन पर्वों में / अधिक से अधिक मुनाफा कमाने की योजना बनाते हैं । कुछ लोग इन्हें $3\frac{1}{2}$
वैभव प्रदर्शन का मौका मानते हैं ।/ दीपावली पर रंग-बिरंगी लाइटों से लेकर महँगे पटाखों का $3\frac{3}{4}$
अनावश्यक प्रदर्शन समाज के कौन से हित की कामना करता // है । कृषि प्रधान देश में जहाँ हमें 4
विद्युत की कटौती से वर्षभर जूझना पड़ता है, वहीं सरकार की / ओर से सजावट करने वालों को $4\frac{1}{4}$
पुरस्कार देने की प्रथा चल पड़ी है । ऐसे विद्युत का भार हमारी कटौती / ही बढ़ायेगा । अंधकार पर $4\frac{1}{2}$
विजय प्राप्त करने के लिये हम दीप जलाते हैं । ऐसे विद्युत संसाधनों का दुरुपयोग / कर कौनसी $4\frac{3}{4}$
मंगलकामना करते हैं । इसी तरह वातावरण को प्रदूषित करते, कान के पर्दों को हिला देने
वाली // आतिशबाजी, समाज के कौनसे वर्ग को राहत पहुँचाती है । हमारी प्रसन्नता का आतिशी 5
प्रदर्शन कैसी मंगल कामना है / । $5\frac{1}{4}$

हमें सोचना होगा समाज के उस वर्ग के लिये भी, जिनके लिये त्यौहारों के कोई मायने

नहीं हैं / । वे अलग-अलग अपनी जिन्दगी मायूसी से काट रहे हैं । उनके जीवन में उन का $5\frac{1}{2}$

कोई अर्थ / नहीं है । क्यों न हम उनकी जिंदगी में भी खुशी का एक पल ले आएं । सच तो $5\frac{3}{4}$

यह // है कि यदि समाज का उच्च वर्ग, सम्पन्नता की अपनी इस अंधी दौड़ का कुछ हिस्सा उन्हें 6

भी दे / दें तो सभी के घर में दीपोत्सव का प्रकाश आ जाएगा । $6\frac{1}{4}$

मंगलकामना स्वयं के लिये न होकर सबके लिये / हो और ऐसी मंगलकामना सभी रखें तो $6\frac{1}{2}$

सुख समृद्धि के द्वार खुल जाएँगे ।

आइये ! दीपोत्सव के पर्व पर / एक संकल्प धारण करें — जन-जन के हर्ष का, सबकी $6\frac{3}{4}$

मंगलकामना का, सभी के उत्सर्ग का ।// 7